



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 57]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 31, 1992/चैत्र 11, 1914

No. 57]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 31, 1992/CHAITRA 11, 1914

इस भाग में एकल वर्ण संक्षेप दी जाती है जिससे कि यह असम संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 3-आई टी सी (पी एन)/92-97

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1992

विषय:—नियंत्रित संवर्धन पूँजीगत माल (ईपीसीजी) स्कीम।

फा.स. आई पी सी/4/5 (247)/92-97/4009:—
उपर्युक्त विषय पर अप्रैल, 1992—मार्च, 1997 के लिए
नियंत्रित आयात नीति के अध्याय 6 में दिए गए शावधानों की
ओर ध्यान अकर्त्तव्य किया जाता है। उपर्युक्त शावधानों के
तहत पूँजीगत माल का आयात ऐसे भाल के लागत बीमा-
भाड़ा मूल्य के 25 प्रतिशत या 15 प्रतिशत सीमांशुलक की
स्थिरता दर पर किया जा सकता है बश्यते कि ऐसे माल के
लागत बीमा-भाड़ा मूल्य के अनुशासनीय या चार बूने के ब्रावर
नियंत्रित आयात पूरा किया जाए शिंगे ऐसे आयातित माल
की पहली खेप की सीमांशुक्ति की तारीख से क्रमशः
चार या पांच वर्षों की अवधि में पूरा किया जाता।

2. इस स्कीम के अन्तर्गत पुराने पूँजीगत माल का
आयात भी इस शर्त के अध्यधीन अनुमित है कि उपर्युक्तानु
सार नियंत्रित का निर्धारण समरूप नई मशीनरी के लागत-बीमा-
भाड़ा मूल्य के आधार पर किया जाएगा। आयातित की जा
रही पुरानी मशीनरी के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के आधार
पर नहीं। इसलिए आवेदकों को आवेदन पत्र के साथ पुरानी
मशीनरी के बीजंक की एक प्रति और नए पूँजीगत माल के
लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का उल्लेख करते हुए एक दूसरा
बीजंक भी प्रस्तुत करा जानी होगा।

3. इस स्कीम के तहत कम्प्यूटर विद्यम के आयात के
लिए आवेदन पत्र निर्धारित प्रक्रिया में और निर्धारित तरीके
में सीधे मुद्रित नियंत्रक आयात-नियंत्रित के कार्यालय को भेजे
जाएंगे।

4. नियंत्रित संवर्धन पूँजीगत माल (ईपीसीजी) लाइसेंस
धारण करने वाला कोई व्यक्ति किसी स्वदेशी तंबरक स
पूँजीगत माल ले सकता है। ऐसे मामलों में लाइसेंसधारी

संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी के साथ बैंक गारंटी सहित एक बंधपत्र भरेगा। लाइसेंसिंग प्राधिकारी यह सत्यापित करते हुए एक प्रमाण पत्र जारी करेगा कि लाइसेंसधारी ने स्कीम के अन्तर्गत यथाविनिर्विष्ट मूल्य के लिए बैंक गारंटी तथा बंधपत्र प्रस्तुत कर दिया है। उक्त लाइसेंस के मध्ये देशी पूँजीगत माल की आपूर्ति करने वाला देशी संभरक पूँजीगत माल के विनिर्माण के लिए 15 प्रतिशत के कस्टम शुल्क की रियायती दर पर संघटकों का आयात करने का पाल है। इस प्रयोजन में हेतु वह संघटकों के आयात के लिए अपना आवेदन पत्र लाइसेंसधारी के सहमति पत्र सहित ई पी सी जी लाइसेंस (दो प्रतियों में) और लाइसेंसिंग प्राधिकारी का एक प्रमाणपत्र यह उल्लेख करते हुए प्रस्तुत करेगा कि मूल लाइसेंसधारी ने बैंक गारंटी सहित एक बंधपत्र प्रस्तुत कर दिया है। पाल पाया जाने पर लाइसेंसिंग प्राधिकारी संघटकों के आयात के लिए एक पृथक लाइसेंस जारी करेगा तथा साथ ही मूल ई पी सी जी लाइसेंस को पूँजीगत माल के सीधे आयात हेतु अधोग्रह करार करते हुए उसे पृष्ठांकित करेगा।

5. यदि देशी संभरक संघटक आयात न करता चाहे, तो वह ई पी सी जी लाइसेंसधारी से एक सहमति पत्र, लाइसेंसिंग प्राधिकारी से एक प्रमाणपत्र यह निर्दिष्ट करते हुए कि मूल लाइसेंसधारी ने बैंक गारंटी और ई पी सी जी लाइसेंस (दो प्रतियों में) सहित बंधपत्र भरा है, के नाथ देशीय रिलीज आदेश जारी करने के लिए आवेदन कर सकता है। लाइसेंसिंग प्राधिकारी देशीय रिलीज आदेश जारी करेगा और साथ ही पूँजीगत माल के सीधे आयात के लिए ई पी सी जी लाइसेंस को अधोग्रह कर देगा। देशी रिलीज आदेश की वैधता मूल ई पी सी जी लाइसेंस की समाप्ति तारीख तक रहेगी।

6. इसे लोकहित में जारी किया जाना है।

डी.आर. मंहता, मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रण।

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 3—ITC(PN)/92—97

New Delhi, the 31st March, 1992

Subject : Export Promotion Capital Goods (EPCG) Scheme.

F. No. IPC/4/5(247)/92—97/4009.—Attention is invited to the provisions contained in Chapter VI of the Export and Import Policy for April 1992—March 1997 on the subject mentioned above. In terms of these provisions, capital goods may be imported at concessional rate of customs duty of 25 per cent or 15 per cent of the c.i.f. value of

such goods subject to an export obligation equivalent to three or four times, respectively, of the c.i.f. value of such goods to be fulfilled over a period of four or five years, respectively, from the date of customs clearance of the first consignment of such imported goods.

2. Under this scheme, import of second-hand capital goods is also allowed subject to the condition that the export obligation as mentioned above shall be based on the c.i.f. value of the corresponding new capital goods and not of second-hand machinery being imported. Therefore, applicants shall furnish alongwith their application a copy of the invoice of the second-hand machinery as well as the invoice of the c.i.f. value of the new capital goods.

3. Applications for import of computer system under this scheme may be made directly to the Office of the Chief Controller of Imports and Exports in the prescribed form and manner.

4. A person holding an EPCG licence may source the capital goods from a domestic supplier. In such cases the licensee shall execute a bond with bank guarantee with the concerned licensing authority. The licensing authority will issue a certificate certifying that the licensee has executed the bond and bank guarantee for the value as specified under the scheme. The domestic supplier, who intends to make supply of indigenous capital goods against the said licence, is eligible to import components for the manufacture of the said capital goods at a concessional rate of customs duty of 15 per cent. For this purpose, he will submit his application for import of components, alongwith a consent letter from the licensee, the EPCG licence (in duplicate) and a certificate from the licensing authority indicating that the original licensee has executed the bond with bank guarantee. If found eligible, the licensing authority shall issue a separate licence for import of components and simultaneously endorse the original EPCG licence making it ineligible for direct import of capital goods.

5. In case the domestic supplier does not intend to import components, he may apply for issue of indigenous Release Order alongwith a consent letter from the EPCG licence holder, a certificate from the licensing authority indicating that the original licensee has executed the bond with bank guarantee, and the EPCG licence (in duplicate). The licensing authority will issue the indigenous Release Order and simultaneously make the EPCG licence ineligible for direct import of capital goods. The validity of Indigenous Release Order will be upto the date of expiry of original EPCG licence.

~ 6. This issues in public interest.

D. R. MEHTA, Chief Controller
of Imports & Exports.